

3 परिभाषा →

- ① करलिंगर के अनुसार - मापन नियमानुसार वस्तु/घटनाओं को संख्या प्रदान करता है।
- ② ई०बी० वेस्ले - मापन, मूल्यांकन का वह भाग है जो प्रतिशत, भावा, अंकों के द्वारा किया जाता है।
- ③ कैम्पबेल - नियमों के अनुसार वस्तुओं या घटनाओं को प्रतीकों में व्यक्त करना मापन है।
- ④ थार्नडाईक - जो कुछ भी अस्तित्व में है, उसका अस्तित्व कुछ परिणाम में होता है।
- ⑤ एस० एस० स्टीवेन्स - मापन किसी निश्चित स्वीकृत नियमों के अनुसार वस्तुओं के अंक प्रदान करने की प्रक्रिया है।
- ⑥ ब्रेड फिल्ल तथा मोरडॉक - मापन के द्वारा किसी तथ्य के विभिन्न आयामों को प्रतीक प्रदान करना ही मापन कहलाता है।
- ⑦ हैल्मसटैडर - मापन की एक प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें किसी व्यक्ति या पदार्थ में निहित विशेषताओं का आंकिक वर्णन होता है।

② अवधारणा (Concept) - जब किसी बालक के केवल ज्ञानात्मक व्यवहार की जाँच की जाती है अर्थात् केवल परिभाषा का बोध होता है। उसे मापन कहते हैं।

मापन अंक प्रदान करता है जैसे शत के गणित में 60 अंक है।

70-80

मापन के प्रकार →

① शुद्धात्मक

↓
व्यक्ति के गुणों का मापन
किया जाता है।

② भावत्मक

↓
~~हिसा~~, ~~निष्पत्ति~~

① मापन का अर्थ → (Meaning of Measurement) →

* मापन एक ऐसा प्रत्यय है जो अत्यंत प्राचीन काल से दैनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बहुतायत रूप में प्रयोग किया जाता है।

* सामान्यतः व्यक्ति अपने जीवन से सम्बंधित कार्यों को करने के दौरान अनेक बार औपचारिक ढंग से मापन करता है।

* उदाहरण → वस्त्र विक्रेता कपड़ा मापता है, दूध विक्रेता दूध नापता है, फल विक्रेता फल तोलता है, डॉक्टर शरीर का तापमान मापता है आदि मापन के उदाहरण हैं।

* मापन किसी वस्तु का शुद्ध व वस्तुनिष्ठ रूप से वर्णन करता है। किसी भौतिक पदार्थ के गुण व विशेषताओं के परिणाम अंकाल्पक रूप देने की क्रिया को मापन कहते हैं।

u) मापन के प्रकार (Types of Measurement) → 2 प्रकार

① गुणात्मक ② मात्रात्मक

① गुणात्मक मापन → किसी वस्तु, प्राणी, घटना अथवा क्रिया की विशेषताओं को गुणों के रूप में देखने समझने को गुणात्मक मापन कहते हैं।

(व्यक्ति के गुणों का मापन किया जाता है)

उदाहरण → किसी बालक के नैतिक गुणों का मापन करना
किसी बालक के स्याहारिक गुणों का मापन करना

② मात्रात्मक → किसी वस्तु, प्राणी आदि की मात्रा को मापा जाता है।

उदाहरण → वजन, भार, लम्बाई, आदि



मूल्यांकन (Evaluation) → मूल्यांकन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'मूल्य' और 'अंकन' इस प्रकार मूल्यांकन का शाब्दिक अर्थ हुआ दात के गुण-दोषों की व्याख्या करके उसके सम्बन्ध में, उचित निर्णय करना अथवा उसके यथार्थ मूल्य का निर्धारण करना।

$$\text{मूल्य} + \text{अंकन} = \text{मूल्यांकन}$$

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके आधार पर हम किसी दात के ज्ञान का आकलन करते हैं। मूल्यांकन के द्वारा ही दात की किसी विषय में कमियों, उसकी किसी विषय के प्रति रुचि और उसकी प्रतिभा का आकलन किया जाता है।

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा किसी कार्य का मूल्य निर्दिष्ट किया जाता है। मूल्यांकन में व्यक्ति/दात के शारीरिक, मानसिक, नैतिक और सामाजिक आदि सभी गुणों की परीक्षा सम्मिलित रहती है।

मूल्यांकन की परिभाषा (Definition of Evaluation) →

क्वेलिन व हन्ना के शब्दों में "दातों के व्यवहार में विद्यालय द्वारा लार गये परिवर्तनों के विषय में प्रमाणों के संकलन और उसकी व्याख्या करने की प्रक्रिया ही मूल्यांकन है।"

एम०एन० इन्डेकर के अनुसार - "मूल्यांकन की परिभाषा एक व्यवस्थित रूप में की जा सकती है जो इस बात को निर्दिष्ट करती है कि विद्यार्थी किस सीमा तक उद्देश्य प्राप्त करने में समर्थ रहा।"

ली के अनुसार - "विद्यालय कक्षा और स्वयं दात द्वारा निर्धारित किये गये शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति में दात की प्रगति की जाँच ही मूल्यांकन है।"

ग्रीन रूम अन्य के अनुसार - " मूल्यांकन की धारणा अभी शिक्षा के लिए अपेक्षाकृत नवीन है। इस शब्द का प्रयोग विद्यालय कार्यक्रम, पाठ्यक्रम, शिक्षा सामग्री, शिक्षक की जाँच और छात्र के लिए सम्मिलित रूप से किया जाता है।"

क्रैफील्ड तथा मोरडोक के अनुसार - " मूल्यांकन किसी सामाजिक, सांस्कृतिक, अथवा वैज्ञानिक मानकों के संदर्भ में किसी घटना को प्रतीक आबंटित करना है जिससे उस घटना का मूल्य अथवा महत्व ज्ञात किया जा सके।"

मूल्यांकन का उद्देश्य → (Objective of Evaluation) →

- ① छात्रों की वृद्धि तथा विकास में सहायता करना।
- ② छात्रों की वृद्धि व विकास में अर्थ अन्वेषकों की जानकारी प्राप्त करना।
- ③ छात्रों की व्यक्तिगत भिन्नता को जानना।
- ④ शिक्षण प्रभावशीलता को ज्ञात करना।
- ⑤ छात्रों को अधिगम हेतु प्रेरित करना।
- ⑥ पाठ्यक्रम में सुधार हेतु आधार तैयार करना।